RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

मराठा साम्राज्य



LIVE STREAMING 17-07-2024 7:00 PM

मराठा साम्राज्य

ये शिशोदिया वंश सम्बंध रखते थे | He belonged to the Shishodiya dynasty.

पुत्र ← सुजान सिंह – सज्जन सिंह Sujan Singh - Sajjan Singh

मालोजी (शिवाजी महाराज के दादा) Maloji (grandfather of Shivaji Maharaj)

शाहजी भोसले (शिवाजी के पिता जी) Shahaji Bhosale (father of Shivaji)

पुत्र

पुत्र ⇒ शिवाजी महाराज

दो पत्नियाँ two wives

जीजाबाई

पुत्र

छत्रपति शिवाजी महाराज

तुकाबाई

पुत्र

एकोजी राजे

तुकाबाई चले गये

शिवाजी महाराज के सौतेले भाई।

⇒ अलाउद्दीन खिलजी

⇒ 1303 में राज० अभियान

⇓

राणा रतन सिंह, रानी पदमावती ⇒ पत्नी

शादी मौसेलं

⇓

आदिलशाह (बीजापुर का शासक)

⇓

के दरबार में वाणिज्यिक विभाग को संभालते थे।

भक्ति आन्दोलन ⇒ हिन्दू धर्म एवं समाज में सुधार तथा हिन्दू एवं इस्लाम धर्म में समन्वय स्थापित करना।

★ जन्म – 1627 शिवनेरी दुर्ग Birth - 1627 Shivneri Fort

★ संरक्षक – दादाजी कोंडदेव Patron - Grandfather Kondadev

★ आध्यात्मिक गुरू – रामदास Spiritual teacher - Ramdas

पुणे महाराष्ट्र

○ भक्ति आंदोलन को दक्षिण में चलाने वाले प्रमुख संत – रामदास, संत तुकाराम एकनाथ व वामन पंडित थे। The main saints who started the Bhakti movement in the south were Ramdas, Saint Tukaram Eknath and Vaman Pandit.

1627/1630 (19 Jan. 1630)

दोनों ही मान्य

रामदास ⇒ दासबोध की रचना।

★ शिवाजी की पत्नियाँ – Shivaji's wives

कुल 8 पत्नियाँ

1. साइबाई – शम्भा जी Saibai - Shambhaji
2. सोयराबाई Soyrabai
3. पुतलीबाई Putlibai

★ शिवाजी का राज्याभिषेक :– दो बार (1674 में) :– रायगढ़ में।

Coronation of Shivaji:- Twice (in 1674):- At Raigarh.

छत्रपति की उपाधि

राज० = रायगढ

1. गंगाभट्ट ने कराया। (वैदिक विधि) — 6 June 1674
2. निश्चल पुरी गोस्वामी ने (तांत्रिक विधि) — 4 Oct. 1674

Gangabhatt got it done

Nischal Puri Goswami got it done.

★ शिवाजी महाराज के प्रमुख अभियान :–

Major campaigns of Shivaji Maharaj:-

☞ 1646 – तोरण का किला अपने अधीन किया

1646 - Toran's fort was under his control

तोरण ⇓ प्रचंडगढ़ का किला

शिवाजी महाराज द्वारा जीता गया पहला किला ↳ 16 वर्ष

अधिकार ⇒ आदिलशाह ⇒ से छीनकर शिवाजी ने कब्जा किया ⇒ 1646 ई०

☞ 1656 – रायगढ़ को राजधानी बनाया।

1656 - Made Raigarh the capital.

⇒ रायगढ़ का किला जीता।

शिवाजी महाराज की दरबारी भाषा ⇓ मराठा

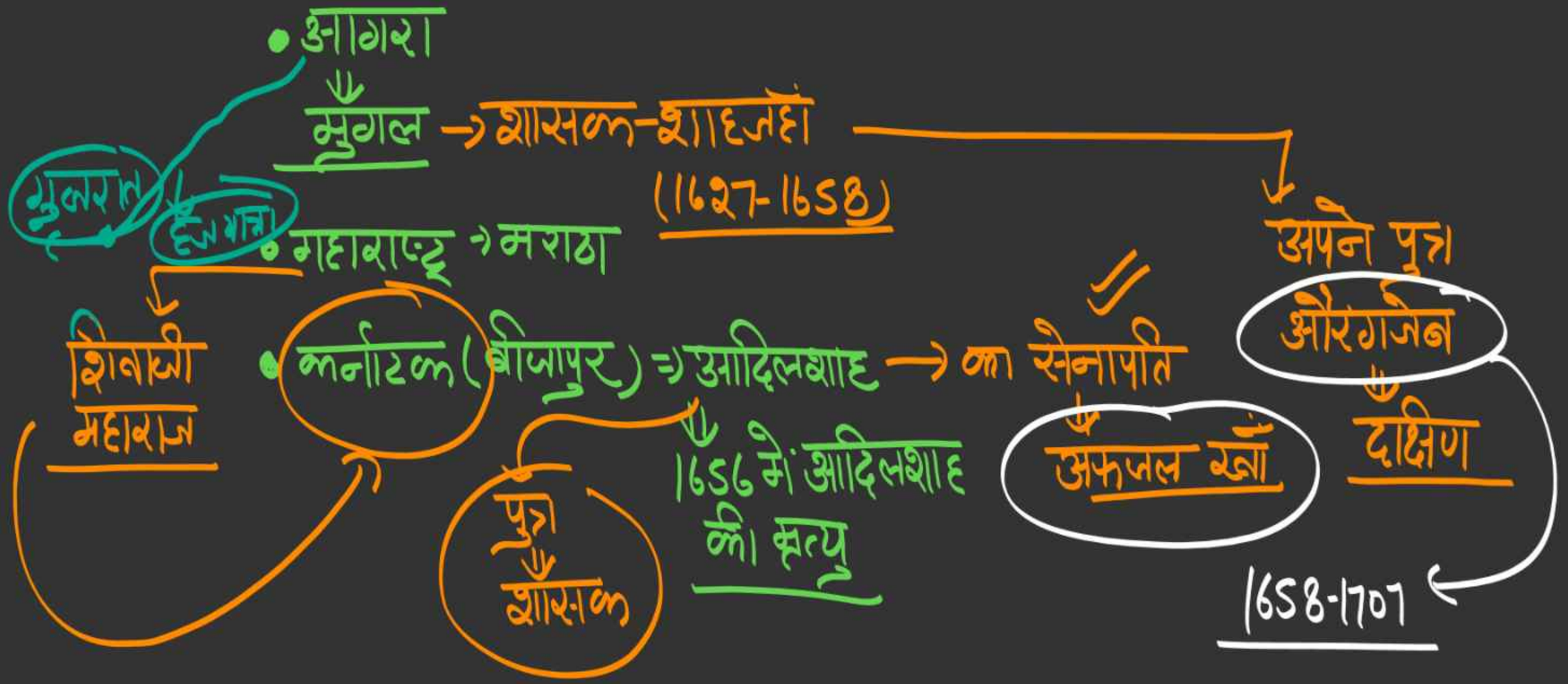
☞ 1659 – प्रतापगढ़ किला जीता। 1659 - Pratapgarh fort won.

↳ कृष्ण जी भास्कर को अफजल खाँ ने शिवाजी के पास दूत बनाकर भेजा, 1659 में अफजल खाँ की हत्या शिवाजी ने Afzal Khan sent Krishna ji Bhaskar to Shivaji as an ambassador, in 1659 Afzal Khan was killed by Shivaji.

औरंगजेब का मामा

☞ 1664 – सूरत को लूटा 1664 - looted Surat

☞ औरंगजेब ने शाइस्ता खाँ को द0 का सूबेदार बनाकर भेजा, बाद में नाराज होकर बंगाल का सूबेदार बनाया। Aurangzeb sent Shaista Khan as the subedar of Da, later he got angry and made him the subedar of Bengal.


आगरा
मुगल → शासक-शाहजहाँ
(1627-1658)
गुलबर्गा
दौलताबाद
महाराष्ट्र → मराठा
शिवाजी महाराज
कर्नाटक (बीजापुर) → आदिलशाह → का सेनापति
अफजल खाँ
अपने पुत्र
औरंगजेब
दक्षिण
1658-1707
पुत्र
शासक
1656 में आदिलशाह की मृत्यु

- 1665 – पुरंदर की संधि 1665 - Treaty of Purandar
  - शिवाजी & मिर्जा जयसिंह Shivaji & Mirza Jai Singh
  - 5 लाख हुण वार्षिक देने होंगे।
    5 lakh hun will have to be given annually.
  - 35 में से 23 किले दिए, शंभाजी को 5000 का मनसब बनाया।
    Shambhaji was given 23 forts out of 35 and made a mansab of 5000.
  - बीजापुर के खिलाफ सहयोग।
    Cooperation against Bijapur
- 1670 – सिंहगढ़ किला को जीता, सूरत को लूटा।
  1670 - Won Sinhagad fort, looted Surat.
  - पुराना नाम : कोढांना Old name: Kodhana
  - अभियान :– तानाजी माल सुरे + इनके भाई सूर्या जी मालसुरे
    Campaign :- Tanaji Mal Sure + His brother Surya ji Malsure

- 1674 – राज्यभिषेक : छत्रपति एवं हैंदव की उपाधि धारण की।
- 1674 - Coronation: Took the title of Chhatrapati and Handav.

★ शिवाजी को "Father of Indian Navy" कहा जाता है।

↳ Lead : दरिया सारंग Darya Sarang

★ छत्रपति शिवाजी द्वारा लगाए गए कर :– Taxes imposed by Chhatrapati Shivaji:-

1. चौथ कर Chauth Kar 1/4 Tax
2. सरदेश मुखी Sardesh Mukhi 1/10 Tax

★ शिवाजी का अष्टमण्डल :– Ashtamandal of Shivaji

1. पेशवा :– सबसे प्रमुख पद (प्रशासन का प्रमुख)
   Peshwa :- Most important post (head of administration)
2- सर–ए– नौबत :– सेनापति Sar-e- Naubat :- Commander
3. मअमुआ दार (आमात्य) :– आय–व्यय का लेखा जोखा।
   Mamua Dar (Amatya) :- Account of income-expenditure.
4- वाकयानवीस :– गुप्तचर विभाग Narrator :- Intelligence Department
5- शुरूनवीस :– पत्राचार Beginners :- Correspondence
6- दबीर (सुगंत) :– विदेशी मंत्री Dabir (Sugant): – Foreign Minister
7- सदर (पंडितराव) :– दान, धार्मिक Sadar (Panditrao) :- Charity,
   Religious
8. न्यायाधीश Judge

★ छत्रपति शिवाजी के बाद में उत्तराधिकारी Successor after Chhatrapati Shivaji

2nd छत्रपति : शम्भा जी महाराज (1680–89) : (साईबाई के पुत्र)

2nd Chhatrapati : Shambhaji Maharaj (1680-89) : (Son of Saibai)

★ अकबर को शरण दी। (गनोजी शिरके)
Gave refuge to Akbar. (Ganoji Shirke)

★ सलाहकार : कवि कलश Consultant: Kavi Kalash

★ बुध भूषण + नर्खाशख की रचना शम्भा जी महाराज ने की।
Budh Bhushan + Narkhashakh was composed by Shambhaji Maharaj.

★ औरंगाबाद का किला लूटा और हुसैन अली को हराया था।

Looted the fort of Aurangabad and defeated Hussain Ali.

★ 1689 में हत्या औरंगजेब ने करवा दी।

Aurangzeb got the murder done in 1689.

★ शम्भाजी के बेटे : शाहूजी (औरंगजेब की कैद में रहें)

Shambhaji's son: Shahuji (remained in captivity of Aurangzeb)

★ शम्भाजी ने अष्टछाप को समाप्त कर दिया था

Shambhaji had abolished Ashtachhap

3rd छत्रपति : राजाराम (1689–1700)

3rd Chhatrapati: Rajaram (1689-1700)

- ★ माता : सोयराबाई Mother : Soyrabai
- ★ पत्नी : ताराबाई Wife: Tarabai
- ★ राजधानी : सतारा Capital: Satara

4th छत्रपति : शिवाजी II (1700– 1707)

4th Chhatrapati : Shivaji II (1700- 1707)

- 4 वर्ष की आयु 4 years old
- संरक्षिका – ताराबाई (माता)
  Guardian - Tarabai (Mother)

☞ 1707 में औरंगजेब की मृत्यु के समय मराठा साम्राज्य ताराबाई के अधीन था।

☞ At the time of Aurangzeb's death in 1707, the Maratha Empire was under Tarabai.

5th छत्रपति : शाहू जी महाराज (1707–1749)

5th Chhatrapati: Shahuji Maharaj (1707-1749)

- में कैद से आजाद किया – मुअज्जम ने।

Freed from captivity - by Muazzam.

☞ 1707 में उत्तराधिकार का युद्ध हुआ।

In 1707 there was a war of succession.

शाहू जी V/S ताराबाई

Shahu ji Vs Tarabai

+

- 1749 में – छत्रपति रामराण बन गया था।

"ताराबाई का पोता

"

बालाजी विश्वानाथ – पहले पेशवा

Balaji Vishwanath - First Peshwa

- 1713 में पेशवा बने | Became Peshwa in 1713.
- 1713–20 : ने पेशवा पद को वंशानुगत कर दिया।
  1713-20: made the post of Peshwa hereditary.

2nd पेशवा – बाजीराव प्रथम (1720–40) 2nd Peshwa - Baji Rao I (1720-40) Kashi Bai

- दो पत्नियाँ
  two wives
  - काशीबाई Kashi Bai
  - मस्तानी (छत्रसाल की पुत्री)
    Mastani (daughter of Chhatrasal)

★ 1728 : पाल खेड़ा का युद्ध 1728: Battle of Palkheda

→ निजाम–उल–मुल्क" को हराया। Defeated Nizam-ul-Mulk.

↓

मुंगी शिवगॉव की संधि Treaty of Mungi Shivgaon

★ 1739 : बसीन संधि (पुर्तगालियो को हराया)

1739: Treaty of Bassein (defeated the Portuguese)

★ 1737 : में दिल्ली अभियान किया। 1737: Campaigned in Delhi.

→ मुहम्मद शाह रंगीला।

Muhammad Shah Rangeela.

3rd पेशवा : बालाजी बाजीराव (1740–61)

3rd Peshwa: Balaji Bajirao (1740-61)

- के पुत्र : विश्वास राव

  Son of : Vishwas Rao

- के चचेरे भाई : सदाशिव राव भाऊ

  Cousin of : Sadashiv Rao Bhau

- के भाई : रघुनाथ राव

  Brother of : Raghunath Rao

आगरा
सूरजमल जाट
(जाटो का
प्लेटो)

- पानीपत का तृतीय युद्ध – 14 जनवरी 1761

Third Battle of Panipat - 14 January 1761

मराठा VS अहमदशाह अब्दाली (AFG)

Maratha Vs Ahmadshah Abdali (AFG)

\+ \+

30 वर्ष – (सेनापति) सदाशिव राव

30 Years - (Commander) Sadashiv Rao

नजीब खाँ (रुहेलखण्ड)

Najeeb Khan (Ruhilkhand)

\+ \+

20 साल – विश्वास राव

20 years - Vishwas Rao

शुजाउद्दौला (अवध का नवाब)

Shujauddaulah (Nawab of Awadh)

- तीन आंग्ल–मराठा युद्ध हुए।

There were three Anglo-Maratha wars.

- रघुनाथ राव ने सूरत की संधि की 1775 में **EIC** के साथ

Raghunath Rao signed the treaty of Surat with EIC in 1775.

- इस युद्ध को मराठा जीते। और 1782 में सलबाई की संधि

Marathas won this war. and the treaty of Salbai in 1782

⬇

नेतृत्व **Leadership**

महादजी राव सिंधिया + मल्हार राव होल्कर

Mahadji Rao Scindia + Malhar Rao Holkar

- सन् 1800 में नाना फड़नवीस का देहांत।
  Nana Fadnavis died in 1800.
- मराठे इसके बाद बँट गये → पुणे → पेशवा
  Marathas were divided after this → Pune → Peshwa

बाजीराव 2nd को हटाकर उनकी जगह विनायक राव को गद्दी पर बिठाया।

इंदौर	→	होल्कर Holkar
नागपुर	→	भोंसले Bhonsle
बड़ौदा	→	गायकवाड़ Gaikwad
ग्वालियर	→	सिंधिया Scindia

- 2nd आंग्ल – मराठा युद्ध हुआ।

2nd Anglo-Maratha war took place.

(1803–06)

अंग्रेज विजयी British victorious

- 1802 में बसीन की सन्धि Treaty of Bassein in 1802
- 1806 में राजापुर घाट सन्धि Rajapur Ghat treaty in 1806

- 3rd आंग्ल–मराठा युद्ध – (1817–1818)

  3rd Anglo-Maratha War - (1817-1818)

- बाजीराव 2nd को पेंशन देकर विठुर भेज दिया गया।

  Bajirao 2DK was given a pension and sent to Vithur.

  - की मौत – 1853 में
  - के दत्तक पुत्र – नाना साहिब (धोधूपंत)

    Adopted son of - Nana Sahib (Dhodhupant)


INDIA
States and Union Territories
AFGHANISTAN
PAKISTAN
CHINA (TIBET)
NEPAL
BHUTAN
BANGLADESH
MYANMAR (BURMA)
SRI LANKA
LADAKH
Srinagar
Leh
JAMMU & KASHMIR
Jammu
HIMACHAL PRADESH
Shimla
PUNJAB
Chandigarh
Dehradun
UTTARAKHAND
HARYANA
DELHI
New Delhi
UTTAR PRADESH
Lucknow
Jaipur
RAJASTHAN
SIKKIM
Gangtok
ARUNACHAL PRADESH
Itanagar
Dispur
ASSAM
NAGALAND
Kohima
Shillong
MEGHALAYA
Imphal
MANIPUR
Agartala
TRIPURA
Aizawl
MIZORAM
BIHAR
Patna
JHARKHAND
Ranchi
WEST BENGAL
Kolkata
Gandhinagar
GUJARAT
Bhopal
MADHYA PRADESH
CHHATTISGARH
Raipur
ODISHA
Bhubaneswar
Daman
Silvassa
DAMAN & DIU
DADRA & NAGAR HAVELI
MAHARASHTRA
Mumbai
TELANGANA
Hyderabad
Amaravati
Yanam (Puducherry)
ANDHRA PRADESH
Panaji
GOA
KARNATAKA
Bengaluru
Chennai
PUDUCHERRY
Mahe (Puducherry)
Karaikal (Puducherry)
TAMIL NADU
KERALA
Kavaratti
LAKSHADWEEP (INDIA)
Thiruvananthapuram
Palk Strait
ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS (INDIA)
Port Blair
BAY OF BENGAL
ARABIAN SEA
INDIAN OCEAN
International Boundary
State/UT Boundary
Country Capital
State/UT Capital
Map not to Scale
Copyright © 2019 www.mapsofworld.com